

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2015

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answer to question nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. What are the philosophical implications of Yama-Nachiketas dialogue in 'Katha' Upanishad ? Explain. **20**

OR

Give a detailed account of the philosophical perspectives of Svetasvatara Upanishad. **20**

2. Discuss the salient features of Carvaka epistemology. **20**

OR

Explain the different schools of Buddhism. **20**

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each.
- (a) Distinguish between 'Para Vidya' and 'Apara Vidya'. 10
 - (b) Explain the different states of consciousness according to Mandukya Upanishad. 10
 - (c) Explain the moral philosophy of Vidura. 10
 - (d) Briefly explain the 'Vedangas'. 10
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each.
- (a) Explain the concept of self according to 'Carvaka'. 5
 - (b) Describe the empirical perception according to Jainism. 5
 - (c) What is 'Karma' according to Buddhism? 5
 - (d) Describe briefly the political philosophy of Bhishma. 5
 - (e) Explain the meaning of 'Swapiti'. 5
 - (f) Discuss the 'Three Jewels' of Jainism. 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each.
- (a) Jivan - Mukti 4
 - (b) Aum 4
 - (c) Bhakti 4
 - (d) Vidya and Avidya 4
 - (e) Four Noble Truths 4
 - (f) Aranyakas 4
 - (g) Nirvana 4
 - (h) Smriti 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन-I

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

-
- टिप्पणी:** (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग
400 शब्दों में दीजिए।
-

1. कठोपनिषद् में वर्णित यम-नचिकेता संवाद के दार्शनिक निहितार्थ 20
क्या हैं? व्याख्या कीजिए।
अथवा
श्वेताश्वतर उपनिषद् के दार्शनिक पक्षों का विस्तृत विवरण 20
दीजिए।
2. चार्वाक दर्शन की ज्ञानमीमांसा की मुख्य विशेषताओं की विवेचना 20
कीजिए।
अथवा
बौद्ध दर्शन के विभिन्न सम्प्रदायों की व्याख्या कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।
- (a) 'परा विद्या' और 'अपरा विद्या' के मध्य अन्तर कीजिए। 10
- (b) माण्डूक्य उपनिषद् में प्रस्तुत चेतना की विभिन्न अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए। 10
- (c) विदूर के नैतिक दर्शन की व्याख्या कीजिए। 10
- (d) 'वेदांग' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10
4. **किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।
- (a) 'चार्वाक' की आत्म की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 5
- (b) जैन दर्शन के व्यवहारिक प्रत्यक्ष का वर्णन कीजिए। 5
- (c) बौद्ध दर्शन के अनुसार 'कर्म' क्या है? 5
- (d) भीष्म के राजनैतिक दर्शन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5
- (e) 'स्वपिति' के अर्थ की व्याख्या कीजिए। 5
- (f) जैन दर्शन के "त्रिरत्न" का विवरण दीजिए। 5
5. **किन्हीं पाँच प्रश्नों पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।**
- (a) जीवन - मुक्ति 4
- (b) ओउम् 4
- (c) भक्ति 4
- (d) विद्या और अविद्या 4
- (e) चार आर्य सत्य 4
- (f) आरण्यक 4
- (g) निर्वाण 4
- (h) स्मृति 4